

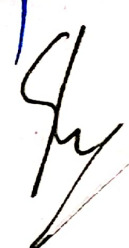
29/9/22

सारा
हुकम

पञ्जावली पेशादारी। पञ्जावली का अवलोकन करने
 से जाहिर हुआ कि नारी का दावा अदम्य है।
 अदम्य दावा में खारिज होने के बाद नारी द्वारा
 बाळ दावरी का प्रा. पत्र प्रस्तुत किया था जिससे
 साथ ही यह प्रा. पत्र पेश किया बाळ दावरी का
 प्रा. पत्र 30/11/2021 के स्वीकार किया गया।
 इसके बाद दावा की पञ्जावली 18/4/2022 को
 न्यायालय में प्रस्तुत हुई। नारी द्वारा पूर्व के
 धारा 212 राठ काट स्मृति के अन्तर्गत अवलोकन
 पर पेश किया हुआ नहीं था और यह प्रा.
 पत्र पेश किया जब दावा विचाराधीन नहीं
 था। इस सम्पूर्ण रणनीति के अवलोकन से
 दिनांक 30/11/2021 को जो आदेशिका दर्ज
 की गई उसमें संदेह से सिद्धात्मा को पूर्व में
 धारा 212 RTA का प्रा. पत्र पेश किया हुआ
 नहीं था। इस कारण प्रा. पत्र के अभाव में
 लेने का जो आदेश पारित किया के संदेह से
 हुआ है। यह शुरु पञ्जावली के अवलोकन से
 न्यायालय में सामने आने पर इस शुरु का
 पता लगा। अब सिद्धि सामने यह आती है कि
 पूर्व में कोई प्रा. पत्र विचाराधीन नहीं था व आवेदन
 द्वारा यह प्रा. पत्र अं. धारा 212 RTA का पेश किया
 जब दावा विचाराधीन नहीं था, दावा अदम्य है।
 अदम्य दावा में खारिज हो चुका था। महा प्रार्थना
 पर ~~किसी~~ पूरी प्रैक्टिस होने से पोषणीय नहीं
 है। यह पञ्जावली बाळ दावरी के जो प्रा. पत्र प्रस्तुत
 हुआ उसका निर्णय 30/11/2021 को किया जाना है

कारण यह पत्रावली उसके साथ संवदन से
संबन्ध कर दी गई जिसके कारण यह त्रुटि
ज्यायालय के सामने नहीं आ सकी। आज
आदेशिका दिनांक 30/11/2021 को रिल्यू
में ज्यायालय में पर खारिज किया जाता है।

आज पार्श्व पत्र श्री नैच्योर हो
के कारण खारिज किया जाता है। पत्रावली
के साथ शुमार हो नम्बर से कम हो गया
कारिबल रफ्तार हो।


रिजिस्ट्रार अधिकारी
मुम्बई (राज.)